फा. सं. 1704813/1/2022-वित्तीय वर्ष (समन्वय) (ई-21449)
भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

चंद्रलोक बिल्डिंग, ग्राउंड फ्लोर,
36, जनपथ , नई दिल्ली-110001.
दिनांक 09 सितम्बर , 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मत्स्यपालन विभाग के संबंध में अगस्त, 2024 माह के लिए मंत्रालयों/विभागों की प्रमुख गतिविधियों और लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों संबंधी मासिक सारांश मंत्रिमंडल को प्रेषित करने के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को उपर्युक्त विषय पर मंत्रिमंडल सचिवालय के दिनांक 19 अगस्त, 2019 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 1/26/1/2018-कैब का संदर्भ लेने तथा अगस्त, 2024 माह के दौरान मत्स्यपालन विभाग द्वारा की गई प्रमुख गतिविधियों, महत्वपूर्ण निर्णयों, मंत्रिमंडल/ मंत्रिमंडल समितियों के निर्णयों पर की गई कार्रवाई पर प्रगति संबंधी मासिक सारांश परिचालन और सूचनार्थ प्रेषित करने का निदेश हुआ है।

संलग्न: यथोपरि

(डॉ. एंसी मैथ्यू एनपी)
सहायक आयुक्त (मात्स्यिकी)

प्रति
मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि

1) मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110001 (ध्यानार्थ: श्री पुनीत कंसल ,अपर सचिव)
2) प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव
3) राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली
4) उप-राष्ट्रपति के सचिव, 6, मौलाना आज़ाद रोड, नई दिल्ली
5) प्रेस सूचना अधिकारी, सूचना एवं प्रसारण मंत्री, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
6) भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
7) सलाहकार, कृषि कार्यक्षेत्र, नीति आयोग, नीति भवन, नई दिल्ली

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित:

1) माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री के निजी सचिव
2) माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री के निजी सचिव
3) सचिव,मत्स्यपालन विभाग के प्रधान निजी सचिव
4) अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार के प्रधान निजी सचिव
5) मत्स्यपालन विभाग के संयुक्त सचिव के प्रधान निजी सचिव
6) तकनीकी निदेशक, एनआईसी डीओएफ को विभाग की वेबसाइट पर संलग्न दस्तावेज अपलोड करने के अनुरोध के साथ।

मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में अगस्त, 2024 माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

1. माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने 30 अगस्त 2024 को पालघर महाराष्ट्र में लगभग 1200 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ 217 मात्स्यिकी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल, महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री, केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री, केंद्रीय पत्तन, पोत और जलमार्ग मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। माननीय प्रधान मंत्री ने लगभग 364 करोड़ रुपए की लागत से पोत संचार एवं सहायक प्रणाली (वेसल कम्युनिकेशन एंड सपोर्ट सिस्टम) के राष्ट्रीय रोलआउट का भी शुभारंभ किया। उद्घाटन और शिलान्यास की गई परियोजनाओं में फिशिंग हार्बर, इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क, अत्याधुनिक होल सेल फिश मार्केट, कोल्ड स्टोरेज और आइस प्लांट, हैचरी, फिश फीड मिल्स, रीसर्क्युलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) और बायोफ्लोक इकाइयां, मूल्य वर्धित उद्यम इकाइयां/वैल्यू एडेड एंटरप्राइस यूनिट, मीठे पानी की फिन फिश हैचरी, ओरनामेंटल ब्रिडिगं रियरिंग यूनिट, मत्स्य सेवा केन्द्र ,लाइव फिश वेडिगं सेन्टर, रिजर्वायर केज, ग्रो आउट तालाब, बायोफ्लोक तालाब, पोस्ट हार्वेस्ट परिवहन वाहन आदि शामिल है।

2. 20 अगस्त, 2024 को माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री ने कृषि भवन, नई दिल्ली में **"विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र/ इक्स्क्लूसिव ईकॉनामिक जोन (ईईजेड) और हाई सी में भारतीय मेरीन फिशरिज के विकास"** और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से संबंधित फिशरिज सब्सिडी मामलों की समीक्षा की।

3. 20 अगस्त 2024 को माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री ने कृषि भवन, नई दिल्ली में गाम्बिया के माननीय मात्स्यिकी और जल संसाधन मंत्री श्री मूसा एस. ड्रामेह के साथ आपसी हित के मामलों पर चर्चा करने तथा गाम्बिया और भारत के बीच द्विपक्षीय मात्स्यिकी संबंधों को सुदृढ करने के लिए बैठक की।

4. 20 अगस्त 2024 को वाणिज्य भवन,नई दिल्ली में माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री और माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की सह-अध्यक्षता में **"समुद्री खाद्य निर्यात संवर्धन रणनीति/सी फूड एक्सपोर्ट प्रमोशन एडं स्ट्रैटिजी और डब्ल्यूटीओ फिशरिज सब्सिडी"** की वर्तमान स्थिति और रणनीति पर चर्चा की गई ।

5. भारत सरकार ने चंद्रयान-3 मिशन द्वारा हासिल की गई ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में 23 अगस्त को "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" घोषित किया है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस कार्यक्रम के भागरूप, मत्स्यपालन विभाग ने

6. 23 अगस्त, 2024 को कृषि भवन, नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी और पंचायती राज मंत्री की अध्यक्षता और माननीय राज्य मंत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में **"मात्स्यिकी क्षेत्र में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग/एप्लीकेशन ऑफ स्पेस टेकनोलॉजी इन फिशरिज सेक्टर"** पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

7. मात्स्यिकी क्षेत्र के अंतर्गत सहकारी प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए, केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफई) और वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान (वैमनिकॉम) ने 26 अगस्त, 2024 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर किया। यह प्रत्येक पंचायत में 2 लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस), डेयरी और मात्स्यिकी सहकारी समितियों की स्थापना के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान (वैमनिकॉम) और केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफई) दोनों मिलकर शिक्षा, अनुसंधान, क्षमता निर्माण और परामर्श के दृष्टिकोण से मत्स्य सहकारी और फिशरिज इकोसिस्टम के क्षेत्र में नए अवसरों का पता लगाएंगे।

8. मत्स्यपालन विभाग के सचिव ने 10 अगस्त, 2024 को प्रधानमंत्री के सलाहकार श्री अमित खरे की अध्यक्षता में **"हाई सी और विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र/ इक्स्क्लूसिव ईकॉनामिक जोन (ईईजेड) दिशानिर्देश"** पर एक बैठक में भाग लिया।

9. मत्स्यपालन विभाग के सचिव ने 14 अगस्त 2024 को मात्स्यिकी क्षेत्र में प्रोडक्शन एडं प्रोसेसिंग क्लस्टर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

10. मत्स्यपालन विभाग के सचिव ने राष्ट्रीय मात्स्यिकी डिजिटल पोर्टल और प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएमएमकेएसएसवाई) दिशानिर्देशों की स्थिति की समीक्षा के लिए 27 अगस्त, 2024 को कृषि भवन,नई दिल्ली में एक बैठक की अध्यक्षता की।

11. संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी) ने तटीय जलीय कृषि प्राधिकरण (सीएए) नियम 2024 के तहत **"समुद्री और खारे पानी में स्वदेशी झींगा(श्रीम्प) प्रजातियों के बीज उत्पादन और कल्चर के लिए हैचरी और फार्मों को विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश "** पर चर्चा करने के लिए 6 अगस्त 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से विशेषज्ञ समिति के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की।

12. संयुक्त सचिव (अंतर्देशीय मात्स्यिकी) ने नई विश्व बैंक और एजेंस फ्रांसेइस डे डेवलपमेंट (एएफडी) द्वारा सहायता प्रदत्त एक नई उप-योजना पीएमएमकेएसएसवाई के तहत सत्यापन(वेरिफिकेशन) और निगरानी(मॉनिटॉरिगं) परामर्श के संबंध में मात्स्यिकी विश्वविद्यालयों के संघ और अन्य भागीदारों के साथ 08 अगस्त 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से एक बैठक की अध्यक्षता की।

13. एनएफडीबी के मुख्य कार्यपालक की अध्यक्षता में 07-08-2024 और 22-08-2024 को सम्पन्न पीएमएमएसवाई की 63वीं और 64वीं परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की बैठक में सात राज्यों अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गोवा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और त्रिपुरा के लिए 649.24 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ विभिन्न विकासात्मक प्रस्तावों का पीएसी द्वारा मूल्यांकन किया गया और सिफारिश की गई।

14. राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडीबी), हैदराबाद ने मेसर्स टी वर्क्स, हैदराबाद के सहयोग से 02-08-2024 को मात्स्यिकी और जल कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी का परीक्षण किया एवं ड्रोन का उपयोग करके फिश फ़ीड का सफलतापूर्वक वितरण किया गया। इस नवाचार(इनोवेटिव) दृष्टिकोण का उद्देश्य दक्षता बढ़ाना, लागत कम करना और उत्पादकता को बढ़ावा देना है।

15. इसके अलावा एनएफडीबी ने 19,000 लोगों के लिए 16 प्रशिक्षण, जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने 101050 हितधारकों के लिए प्रत्क्षय और वर्चुवल माध्यम से 79 आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजित किए ।

16. तटीय जलकृषि प्राधिकरण /कोस्टल एक्वाकल्चर अथॉरिटी (सीएए) ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, ओडिशा राज्यों/संघ शासित प्रदेशों से प्राप्त कुल 780 आवेदनों को प्रोसेस किया जिनमें 439 आवेदन पंजीकरण और पंजीकरण के नवीनीकरण और 341 आवेदन इनपुट निर्माताओं से एंटीबायोटिक मुक्त जलकृषि इनपुट के लिए अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने से संबंधित थे। ओडिशा के तटीय जिले में सीएए दिशानिर्देशों के अनुपालन के संबंध में निरीक्षण और निगरानी तथा हितधारकों को जागरूक करने के लिए खेतों और हैचरी की 558 विजिट की गई।

17. केंद्रीय मात्स्यिकी तटीय इंजीनियरिंग संस्थान/सेंट्रल इस्टीट्यूट ऑफ कोस्टल इंजीनियरिगं फॉर फिशेरी (साईसेफ) ने प्रस्तावित फिशरिज हार्बर के विकास के लिए आंध्र प्रदेश के पुदीमदका मात्स्यिकी केंद्र में 19 और 20 अगस्त 2024 को एक सर्वेक्षण किया।वे श्रीलंका के पॉइंट पेड्रो में फिशरिज हार्बर के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं।

18. केंद्रीय मात्स्यिकी नौचालन एवं इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान/सेट्रंल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशेरीस नौटिकल एडं इंजीनियरिगं ट्रेनिंग (सिफनेट) ने 5 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 3 नियमित और 2 मछुआरा प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल थे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कुल 365 अभ्यर्थी लाभान्वित हुए।

19. राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट-हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान/नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशेरीस पोस्ट-हार्वेस्ट टेकनोलोजी एडं ट्रेनिगं (निफैट) ने 84 समुद्री मछुआरों के लिए पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

20. तटीय जलकृषि प्राधिकरण /कोस्टल एक्वाकल्चर अथॉरिटी के निदेशक और मत्स्यपालन विभाग के सहायक आयुक्त (मात्स्यिकी) को जैव सुरक्षा पर कैनबरा फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत 26 से 30 अगस्त, 2024 तक ऑस्ट्रेलियाई जैव सुरक्षा संगोष्ठी में भाग लेने, पोर्ट एंट्री क्वारंटीन सुविधा और क्वींसलैंड के एक प्रमुख फार्म का दौरा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया में प्रतिनियुक्त किया गया ।

21. मत्स्यपालन विभाग के लिए सीपीजीआरएएमएस पोर्टल के अंतर्गत 31 अगस्त, 2024 के अनुसार शिकायत निपटान 95% था।

***